

योग प्रशिक्षण लेकर पाएं रोजगार: डॉ महेन्द्र नाथ पाण्डेय

-केंद्रीय कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्री श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा “योग के क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर”

-राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा योग को रोजगार क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रशिक्षण और प्रमाणीकरण को दिया जा रहा है बढ़ावा

-ब्यूटी एंड वैलनेस सेक्टर स्किल काउन्सिल ने 50,000 से अधिक योग प्रशिक्षकों को किया प्रमाणित



दिल्ली-21 जून 2019: केंद्रीय कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्री श्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी से योग से जुड़ने की अपील करते हुए इस क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा दिए जाने की बात कही। श्री पाण्डेय ने दिल्ली के बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के साईं लीला गेंड में आम्रपाली कल्चरल फाउंडेशन द्वारा आयोजित एकदिवसीय योग शिविर में ये विचार रखे। वे यहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी प्राप्त होता है। श्री पाण्डेय ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि वर्तमान में योग रोजगार का एक बड़ा

माध्यम भी है। इसका जानकार व्यक्ति स्वरोजगार के जरिए बेहतर और नियमित आय अर्जित कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) योग को रोजगार कौशल की तरह बढ़ावा दे रहा है जिसके अपेक्षाकृत परिणाम मिले हैं। निगम के ब्यूटी एंड वैलनेस सेक्टर स्किल काउन्सिल (बीएंडडब्ल्यूएसएससी) ने राष्ट्रीय व्यवसायिक मानकों के अनुरूप योग इंस्ट्रक्टर, योग ट्रेनर और सीनियर योग ट्रेनर के योग्यता पैक संचालित किये हैं जिनके तहत लाभार्थियों को योग, आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि से जुड़ी योग की तकनीकें सिखाई जाती हैं। उन्हें योग के सिद्धांतों और अभ्यासों के बारे में भी बताया जाता है। बीएंडडब्ल्यूएसएससी अब तक अपने साझेदारों के साथ मिलकर देश भर में 50,000 योग प्रशिक्षकों को उनकी दक्षता का प्रमाणपत्र दे चुका है, जिससे इन प्रशिक्षकों को रोजगार हासिल करने में सहायता मिली है।

अपने उद्बोधन में आगे श्री पाण्डेय ने योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए कहा कि आज 200 से अधिक देश इस क्षेत्र में सहभागी हैं। योग को देश-विदेश में महत्व मिलने से लोग इस ओर आकर्षित हुए हैं और वे योग सीखना चाहते हैं। इस सकारात्मक वातावरण से दुनियाभर में योग प्रशिक्षकों की मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह योग में कुशलता प्राप्त कर रोजगार हासिल करने का सुनहरा दौर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि योग में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया' की भावना छिपी हुई है, यह मानव सेवा का कार्य है जिसमें संभावनाएं देखते हुए कौशल विकास व उद्यमशीलता मंत्रालय इसे सशक्त रोजगार माध्यम के तौर पर प्रचारित व प्रसारित करने तथा इस क्षेत्र में युवाओं को कुशल बनाने की अनेक योजनाओं पर काम कर रहा है।

“से यस टू योग नो टू रोग” का विमोचन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की युवा आबादी को कुशल बनाने के लिए 15 जुलाई 2015 को स्किल इंडिया अभियान की शुरुआत की थी। यह मुहिम कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर चुकी है। रोजगार के गैरपरंपरागत माध्यमों को इससे सामयिकता मिली है, जिनमें योग भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्यूटी एंड वैलनेस सेक्टर स्किल काउन्सिल द्वारा डिज़ाइन की गई “योग पत्रिका” का विमोचन किया गया, जिसमें योग, प्रशिक्षण और रोजगार के मेल को रेखांकित किया गया है। इस पत्रिका में योग की उत्पत्ति और इतिहास का उल्लेख है और आधुनिक जीवनशैली में

नियमित रूप से योगाभ्यास करने से होनेवाले लाभ पर भी प्रकाश डाला गया है। योग इंस्ट्रक्टर योग्यता पैक के लिए इंग्लिश, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और गुजराती भाषाओं में कॉन्टेंट तैयार करने और भारत भर में 100 से ज्यादा योग सेंटरों की शुरुआत जैसी ब्यूटी एंड वैलनेस सेक्टर स्किल काउन्सिल की उपलब्धियों की जानकारी इस पत्रिका में दी गई है।

योग शब्द संस्कृत के “युज” से बना है, जिसका अर्थ होता है जोड़ना। किसी भी कार्य में “कुशलता” हासिल करने के लिए तन और मन को एकाग्र करना योग है। मानव जीवन में कुशलता और योग के संबंध को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व के सामने रखा। श्री मोदी ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए सितंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐतिहासिक उद्बोधन दिया था। यह उनके भाषण का ही प्रभाव था कि 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की। यह योग दिवस मनाए जाने का पांचवां वर्ष है।